जगत प्रीत मत करियो रे मनवा

जगत प्रीत मत करियो रे मनवा,
जगत प्रीत मत करियो,
हरी वादा से डरियो रे मनवा,
जगत प्रीत मत करियो ॥

ये जग तो माया की छाया,
झूटी माया झूटी छाया,
या पीछे मत पड़ियो रे मनवा,
जगत प्रीत मत करियो ॥

ये जग तो माटी का खिलौना,
इसके पीछे तू मत खोना,
गुरु चरण चित धरियो रे मनवा,
जगत प्रीत मत करियो ॥

ये जग तो झूठा दीवाना,
पागल मन यहाँ न फस जाना,
नहीं तो जिन्दा मारियो रे मनवा,
जगत प्रीत मत करियो ॥

इस जग में तू आया अकेला,
मत करियो जग ते मन मेला,
भव से पार उतरियो रे मनवा,
जगत प्रीत मत करियो ॥

जगत प्रीत मत करियो रे मनवा,
जगत प्रीत मत करियो,
हरी वादा से डरियो रे मनवा,
जगत प्रीत मत करियो ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12001/title/jagat-preet-mat-kariyo-re-manwa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |